

प्रेषक,

राधिका झा,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

कुलसचिव/वित्त अधिकारी,
दून विश्वविद्यालय, केदारपुरम्,
देहरादून ।

शिक्षा अनुभाग-6 (उच्च शिक्षा)

देहरादून दिनांक 18 फरवरी, 2010

विषय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्यय के आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष प्रथम किश्त अवमुक्त किए जाने के सम्बन्ध में ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या : 97/190/एफसी-डीयू/2010 दिनांक 29, जनवरी-2010 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त पत्र में किए गए प्रस्तावानुसार आलोच्य वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्यय के आयोजनेत्तर पक्ष में श्री एच0बी0 थपलियाल, विशेष कार्याधिकारी, उच्च शिक्षा के वेतन, भत्ते तथा अन्य आवश्यक मदों तथा दून विश्वविद्यालय के सामान्य कार्यकलापों के लिए प्राविधानित धनराशि रुपये 03 करोड़ (रुपये तीन करोड़ मात्र) के सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में रुपये 04,00,000.00 (रुपये चार लाख मात्र) की धनराशि अनुदान के रूप में निम्नांकित प्रतिबन्धों के साथ व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- वर्तमान वित्तीय वर्ष में अतिरिक्त मांग के समय औचित्य स्पष्ट करते हुए अन्य राज्य विश्वविद्यालयों के समान ही मदवार फॉट शासन से अनुमोदित करायी जानी होगी । अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में धनराशि व्यय नहीं की जायेगी । व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008, डी0जी0एस0एण्डडी0 की दर तथा यह दर निश्चित न होने पर टेण्डर/कोटेशन विषयक नियमों का अनुपालन किया जाना होगा तथा समय-समय पर निर्गत वित्तीय एवं मितव्ययता सम्बन्धी शासनादेशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाना होगा, क्रय की गयी सामग्री का अंकन स्टॉक रजिस्टर में किया जायेगा जिसे सम्बन्धित अधिकारी द्वारा सत्यापित/प्रमाणित भी किया जाना होगा । कम्प्यूटर आदि के क्रय के सम्बन्ध में आई0टी0 विभाग/नवीनतम शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा ।

3- स्वीकृत की गयी धनराशि उपनिदेशक, उच्च शिक्षा, शिविर कार्यालय देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर करने के उपरांत विश्वविद्यालय द्वारा आहरित की जायेगी ।

4- स्वीकृत धनराशि के उपभोग के सम्बन्ध में शासन द्वारा निर्गत समस्त शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा धनराशि का व्यय कर उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा एवं अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में धनराशि का व्यय नहीं किया जायेगा ।

5— व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिनके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है ।

6— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 11 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा-03-विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा-102-विश्वविद्यालयों को सहायता-आयोजनेत्तर- 05-दून विश्वविद्यालय-00-20- सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नाम डाला जायेगा ।

(7) यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या - 440(NP)/xxvii(3)/2010 दिनांक 09, फरवरी-2010 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किए जा रहे हैं।

भवदीया

(राधिका झा)
अपर सचिव

पृष्ठांकन संख्या : 52/XXIV(6)/2009 दिनांकित :
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून
2. निदेशक, उच्च शिक्षा, हल्द्वानी ।
3. कोषाधिकारी, देहरादून ।
4. उपनिदेशक, उच्च शिक्षा, शिविर कार्यालय, देहरादून ।
5. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून ।
6. वित्त अनुभाग-3/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन ।
7. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन ।
8. बजट राजकोषीय, नियोजन एवं संसाधन सचिवालय, देहरादून ।
9. विभागीय आदेश पुस्तिका ।

आज्ञा से,



(वेदीराम)

अनु सचिव ।